भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 249
जिसका उत्तर 27 नवंबर, 2024 को दिया जाना है ।
6 अग्रहायण, 1946 (शक)

एआई प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स

249. श्री सुब्बारायण के.:
श्री सेल्वाराज वी.:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत चार आयामों अर्थात् डिजिटल अवसंरचना, मानव पूंजी, तकनीकी नवाचार और कानूनी ढांचे में कई संकेतकों के आधार पर 174 देशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स में 80वें स्थान पर है; और
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): एआई एक उभरता हुआ क्षेत्र है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस नए क्षेत्र में नेतृत्व संभालने के लिए एआई मिशन की स्थापना को मंजूरी दी है। हम एआई एप्लीकेशन का उपयोग करके कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, मौसम पूर्वानुमान, संभारतंत्र और कई अन्य क्षेत्रों में सामने आ रही समस्याओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

एआई के क्षेत्र में सबसे विश्वसनीय रैंकिंग की वजह से भारत को एआई कौशल, एआई क्षमताओं और एआई का उपयोग करने की नीति वाले शीर्ष देशों में रखा गया है।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने एआई कौशल प्रसार के लिए भारत को शीर्ष स्थान दिया है।

डेवलपर्स के समुदाय गिटहब ने सभी परियोजनाओं में 24.19% की वैश्विक हिस्सेदारी के साथ भारत को शीर्ष स्थान दिया है।

व्यावहारिक रूप से सभी मापदंडों पर, भारत एआई कौशल, एआई विकास परियोजनाओं और एआई नीति पर बहुत उच्च स्थान पर है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय ने 42 संकेतकों के आधार पर वैश्विक और राष्ट्रीय एआई वाइब्रेनसी रैंकिंग में अमेरिका, चीन और ब्रिटेन के साथ भारत को शीर्ष चार देशों में स्थान दिया है।

भारत ने दिसंबर 2023 और जुलाई 2024 में एआई पर वैश्विक साझेदारी की अध्यक्षता की।

एआई प्रौद्योगिकियों में समाज और व्यक्तियों को बदलने की जबरदस्त क्षमता है। देश में एक सुदृढ़, सुरक्षित और विश्वसनीय एआई नवाचार इकोसिस्टम विकसित करने के लिए, भारत सरकार ने निम्नलिखित आवश्यक कदम उठाए हैं :

1. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7 मार्च 2024 को इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दी। यह मिशन सात प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करके भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में वैश्विक रूप से अग्रणी स्थान देने की दृष्टि से प्रेरित है:
   क) **इंडियाएआई कंप्यूट:** इंडियाएआई कंप्यूट स्तंभ 10,000 या अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) के एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त एक उच्च-स्तरीय स्केलेबल एआई कंप्यूटिंग इकोसिस्टम के निर्माण की परिकल्पना करता है।

ख) **इंडियाएआई इनोवेशन सेंटर (आईएआईसी):** एआई इनोवेशन सेंटर का उद्देश्य भारत-विशिष्ट डेटा पर प्रशिक्षित स्वदेशी बड़े मल्टीमॉडल मॉडल (एलएमएम) विकसित और नियोजित करना है।

ग) **इंडियाएआई डेटासेट प्लेटफॉर्म:** इंडियाएआई डेटासेट प्लेटफॉर्म (आईडीपी) का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के डेटासेट की पहुंच, गुणवत्ता और उपयोग को बढ़ाना है ताकि उन्हें एआई-तत्पर बनाया जा सके।

घ) **इंडियाएआई अनुप्रयोग विकास पहल:** इंडियाएआई अनुप्रयोग विकास पहल का उद्देश्य महत्वपूर्ण समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रभावशाली एआई समाधान विकसित करना, उनका विस्तार करना और उनके अंगीकरण को बढ़ावा देना है।

ङ) **इंडियाएआईफ्यूचरस्किल्स :** इंडियाएआईफ्यूचरस्किल्स स्तंभ का लक्ष्य एआई डोमेन में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की संख्या बढ़ाना है। इसके अलावा, इसका लक्ष्य भारत भर के टियर 2 और टियर 3 शहरों में डेटा और एआई लैब स्थापित करना है, ताकि डेटा और एआई में आधारभूत स्तर के पाठ्यक्रम प्रदान किए जा सकें।

च) **इंडियाएआई स्टार्टअप फाइनेंसिंग:** एआई स्टार्टअप को सभी चरणों में सहायता प्रदान करने के हेतु।

छ) **सुरक्षित और विश्वसनीय एआई:** यह स्तंभ स्वदेशी उपकरणों और ढांचे के विकास, नवप्रवर्तकों के लिए स्व-मूल्यांकन चेकलिस्ट और अन्य दिशानिर्देश और शासन ढांचे सहित जिम्मेदार एआई परियोजनाओं के कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है।

2. "राष्ट्रीय एआई पोर्टल" (https://indiaai.gov.in/) का शुभारंभ किया गया, जो देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पहलों के व्यापक भंडार के रूप में कार्य करता है। यह पोर्टल भारत में एआई पहलों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों, शोधकर्ताओं और उद्योग पेशेवरों के लिए एकल संदर्भ बिंदु के रूप में कार्य करता है, जिसमें शैक्षणिक जगत,शोध, स्टार्टअप, नीतिगत पहल और अन्य संबंधित जानकारी शामिल है।

3. भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक भागीदारी (जीपीएआई) का एक संस्थापक सदस्य है, जो 15 जून, 2020 को बहु-हितधारक पहल में शामिल हुआ है। भारत 2024 के लिए एआई की वैश्विक भागीदारी का अध्यक्ष है और उसने दिसंबर 2023 और जुलाई 2024 में जीपीएआई शिखर सम्मेलनों की मेजबानी की, जिसके परिणामस्वरूप जीपीएआई का विस्तार पहले के 29 सदस्यों से 44 सदस्यों के साथ ओईसीडी के साथ एक एकीकृत भागीदारी के रूप में हुआ।

4. एमईआईटीवाई ने 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी जनशक्ति के पुन:कौशलन /कौशल उन्नयन के लिए एक डिजिटल कौशल पहल ' फ्यूचर स्किल्स प्राइम' की शुरुआत की है। इनमें एआई, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स, बिग डेटा और एनालिटिक्स, आईओटी, वर्चुअल रियलिटी, साइबर सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, 3डी प्रिंटिंग और वेब 3.0 शामिल हैं। फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्लेटफॉर्म पर लगभग 20 लाख उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं।

5. 'विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना' का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) और आईटी/आईटी सक्षम सेवाओं (आईटी/आईटीईएस) क्षेत्रों में एआई और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में पीएचडी धारकों की संख्या बढ़ाना है।

6. एमईआईटीवाई ने सी-डैक के साथ मिलकर एआई अनुसंधान और ज्ञान समावेशन के लिए एक सामान्य कंप्यूट प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करने हेतु एआईआरएडबल्यूएटी (एआई अनुसंधान, विश्लेषण और ज्ञान प्रसार प्लेटफ़ॉर्म) पर भी परियोजना लागू की है। इस एआई कंप्यूटिंग अवसंरचना का उपयोग सभी प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्रों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, वैज्ञानिक समुदायों, उद्योग और स्टार्ट- अप और राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क वाले संस्थानों द्वारा किया जा रहा है।

7. एनआईसी ने एआई में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है, जो दिल्ली में 7 एआई पीफ्लॉप सुपरकंप्यूट सुविधा और कोलकाता में 5 एआई पीफ्लॉप के साथ मेघराज क्लाउड के माध्यम से एक सेवा के रूप में एआई को सुविधाजनक बनाने हेतु कार्य कर रहा है ।

*****